दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

वर्ष :- 03 अंक :- 01 मुरादाबाद, 21 April 2023 (Friday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बुद्ध के मार्ग पर चलते तो आज जलवायु परिवर्तन का नहीं करना पड़ता सामना, ग्लोबल बौद्ध समिट में बोले पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसा संकट इसलिए आया क्योंकि पिछली शताब्दी में कुछ देशों ने आने वाली पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने आगे कहा कि आज हर व्यक्ति का हर काम किसी न किसी रूप में धरती को प्रभावित कर रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि बुद्ध का मार्ग भविष्य का मार्ग है। अगर दुनिया बुद्ध की सीखों पर चला होता तो जलवायु परिवर्तन जैसे संकट का कभी सामना नहीं करना पड़ता। बता दें, दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से 20-21 अप्रैल को राजधानी के अशोक होटल में किया जा रहा है।

आने वाली पीढ़ी के लिए हमें सतर्क होना जरूरी

पीएम मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसा संकट इसलिए आया क्योंकि पिछली शताब्दी में कुछ देशों ने आने वाली पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने आगे कहा कि आज हर व्यक्ति का हर काम किसी न किसी रूप में धरती को प्रभावित कर रहा है। चाहे वह हमारी लाइफस्टाइल ही क्यों न हो इसका भी प्रभाव पृथ्वी पर पड़ रहा है।

जागरूक होने की जरूरत

उन्होंने कहा कि अगर हम चाहें तो इस संकट से पृथ्वी को उभार सकते हैं। हर व्यक्ति जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ सकता है। लोगों को जागरूक होकर प्रयास करने की जरूरत है। प्रयास से इस बड़ी समस्या से निपटा जा सकता है। यही तो बुद्ध का मार्ग है। पीएम ने कहा कि अगर दुनिया को सुखी बनाना है तो हमें स्वयं से निकलकर संसार की संकुचित सोच को त्यागना होगा। समग्रता का ये बुद्ध मंत्र ही एकमात्र रास्ता है।

भारत सभी के साथ खड़ा

इस दौरान आपदाओं को लेकर भी पीएम मोदी ने बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों में शांति अभियान हों या तुर्किए में भूकंप जैसी आपदा हो। भारत अपना पूरा सामर्थ्य लगाकर हर संकट में सभी के साथ खड़ा होता है। बुद्ध का मार्ग है- परियत्ति, पटिपत्ति और पटिवेध यानी Theory, Practice and Realization। पिछले 9 वर्षों में भारत इन तीनों ही बिन्दुओं पर तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बुद्ध व्यक्ति से आगे बढ़ कर एक बोध हैं, बुद्ध स्वरूप से आगे बढ़कर एक सोच हैं, बुद्ध चित्रण से आगे बढ़कर एक चेतना हैं और बुद्ध की ये चेतना चिरंतर है। यह सोच शाश्वत है, ये बोध अविस्मरणीय है। इसलिए आज अलग-अलग देशों से, भौगोलिक-सांस्कृतिक परिवेश से लोग यहां एक साथ उपस्थित हैं। पीएम ने कहा कि यही भगवान बुद्ध का वो विस्तार है जो पूरी मानवता को एक सूत्र में जोड़ता है।

30 देशों के 171 प्रतिनिधि शामिल

इस दो-दिवसीय वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन का विषय समकालीन चुनौतियों के प्रति प्रतिक्रिया - दर्शन से अभ्यास तक है। इस शिखर सम्मेलन में लगभग 30 देशों के लगभग 171 प्रतिनिधि और भारतीय बौद्ध संगठनों के 150 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। दुनिया भर के प्रतिष्ठित विद्वान, संघ के नेता और धर्म के अनुयायी भी इसमें भाग लिया।

अखिलेश यादव बोले, भाजपा की रणनीति, वादा करो, भूल जाओ और बुनियादी मसलों से ध्यान हटाओ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने नौ साल केंद्र में और छह साल यूपी में सत्ता में रहने के बाद भी जनहित में कोई ऐसा काम नहीं किया जिसे गिनाया जा सके। भाजपा की रणनीति मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने की रही है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वादा करो, भूल जाओ और बुनियादी मसलों से ध्यान हटाओ, भाजपा की यही रणनीति है। केंद्र में नौ साल और उत्तर प्रदेश में छह साल से सत्तासीन भाजपा सरकार ने एक भी ऐसा जनहित का काम नहीं किया,

जिसे वह गिना सके। सपा अध्यक्ष ने जारी एक बयान में कहा कि भाजपा ने महंगाई और बेरोजगारी खत्म करने का वादा किया था, लेकिन आज दोनों चरम पर है। एमएसपी पर खरीद का सिर्फ नाटक हो रहा है। बिचौलियों और बड़ी कंपनियों ने खूब लूट की।बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुई फसलों की नुकसान का सरकार मुआवजा तक नहीं दे पाई और न कोई मदद की। शहर में व्यापारी और आम जनता भाजपा की नीतियों से परेशान है। भाजपा चुनाव में अपनी हार को देखकर अपनी षड्यंत्रकारी चालों के जरिए लोगों का ध्यान भटका कर एक बार फिर मतदाताओं को भ्रमित करना चाहती है। पर, जनता सतर्क और सावधान है। वह भाजपा के हर षड्यंत्र का जवाब देगी। नगर निकाय चुनावों में भाजपा का सूपड़ा साफ होना तय है।

दोहराया गया अतीक-अशरफ की हत्या का सीन, शूटरों ने बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां, ढेर हुए दोनों

आयोग के सदस्य कॉल्विन अस्पताल जाकर घटना स्थल का मुआयना भी कर सकते हैं। आयोग में न्यायमुर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी के अलावा रिटायर्ड आईपीएस सुबेश कुमार सिंह और रिटायर्ड न्यायमूर्ति बृजेश कुमार सोनी भी शामिल हैं। अतीक और अशरफ हत्याकांड की जांच के लिए एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची है। घटनास्थल पर सीन रीक्रिएशन किया जा रहा है। बाइक गिराकर क्राइम सीन तैयार किया जा रहा है। इससे पहले, रिटायर्ड न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता वाला न्यायिक आयोग अतीक और अशरफ की हत्या की जांच के लिए गुरुवार को प्रयागराज पहुंचा। सर्किट हाउस में कमिश्नरेट के आला अधिकारियों और एडीजी जोन व पुलिस कमिश्नर के साथ बैठक की। आयोग के सदस्य कॉल्विन अस्पताल जाकर घटना स्थल का मुआयना भी कर सकते हैं। आयोग में न्यायमुर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी के अलावा रिटायर्ड आईपीएस सुबेश कुमार सिंह और रिटायर्ड न्यायमूर्ति बृजेश कुमार सोनी भी शामिल हैं। अतीक अहमद और अशरफ के हत्या के मामले में लखनऊ से आई एसआईटी ने पीएचक्यू में पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। घटना के विभिन्न पहलुओं पर जांच की गई और अधिकारियों से पूछताछ की गई। इसके बाद अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। घटनास्थल कॉल्विन अस्पताल के कैंपस में लगे सीसीटीवी के खराब होने पर नाराजगी जाहिर की। माना जा रहा है कि इस मामले में अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। एसआईटी में सवाल उठाया कि महीनों से सीसीटीवी बंद है तो किसी ने ध्यान क्यों नहीं दिया। अस्पताल की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में कराया गया सीन रीक्रियेशन

माफिया अतीक और अशरफ की कॉल्विन अस्पताल परिसर में 15 अप्रैल को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गठित एसआईटी ने बृहस्पतिवार को घटना स्थल का निरीक्षण कर सीन का रीक्रेयेशन कराया। उस दिन अतीक और अशरफ की सुरक्षा में तैनात सभी सिपाही और दरोगा मौजूद थे। सभी से फिर से अपनी वही पोजीशन लेने के लिए कहा गया, जिस पोजीशन में वह घटना के वक्त थे। काफी देर तक छानबीन और पूछताछ के बाद टीम सर्किट हाउस के लिए रवाना हुई।

Terrorist Attack: आतंकियों ने घात लगातार सैन्य वाहन को विस्फोट कर उड़ाया, पुंछ में गई पांच जवानों की जान

जम्मू-कश्मीर-सैन्य अधिकारियों ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब जवान कैंप की तरफ जा रहे थे। जिस इलाके में यह हादसा हुआ है वहां पिछले साल आतंकियों और सैन्य कर्मियों के बीच कई दिन तक मुठभेड़ भी हुई थी।जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकियों ने घात लगातार सैन्य वाहन पर विस्फोट से हमला कर दिया। इसमें पांच जवान शहीद हो गए हैं। चानक हुए इस हमले के बाद मौके पर सैन्य और पुलिस अधिकारी पहुंचे। उन्होंने आसपास के लोगों के साथ मिलकर वाहन में लगी आग बुझाकर राहत और बचाव अभियान चलाया। घने जंगल वाले भाटादूडियां इलाके में लगी सैन्य वाहन में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई थी। प्राथमिक तौर पर आसमानी बिजली गिरने से घटना होने की बात सामने आई थी। अब सैन्य अधिकारियों ने आतंकी हमला होने की बात कही है। जिस इलाके में यह हादसा हुआ है वहां पिछले साल आतंकियों और सैन्य कर्मियों के बीच कई दिन तक मुठभेड़ भी हुई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुंछ और राजोरी जिले की सीमा पर भाटादूडियां इलाके में वीरवार दोपहर को यह हादसा हुआ। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। उन्होंने बताया कि पुंछ-जम्मू नेशनल हाईवे पर सैन्य वाहन कुछ सामान लेकर जा रहा था। इसमें जवान भी सवार थे। घने जंगल के बीच आतंकियों के एक दल ने वाहन पर हमला कर दिया।

इससे वाहन में आग भड़क उठी। इससे उसमें सवार जवान बुरी तरह से झुलस गए। इसमें से पांच ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटनास्थल पर पहुंचे सेना के अधिकारियों और जवानों ने से झुलसे साथियों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। उत्तरी कमान के अनुसार वीरवार को तीन बजे राजोरी सेक्टर में बिंभर गली और पुंछ सीमा पर सेना के वाहन पर आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। जिस समय यह हमला किया गया था उस समय इलाके में बारिश हो रही थी। बेहद कम दृश्यता का फायदा उठाकर आतंकियों ने इस घटना को अंजाम दिया। ग्रेनेड में विस्फोट होने के बाद वाहन में आग लग गई। इसमें काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशन के लिए तैनात राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के पांच जवान मौके पर ही शहीद हो गए। एक अन्य गंभीर जवान का राजोरी के सैन्य अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के बाद इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

संपादकीय Editorial

Looking for gold in the water

Advocating for the rights of the state has been happening in the era of every government, but the Sukhu government, which is looking for gold in the water, has started advocating its point of view. Chief Minister Sukhwinder Sukhu's meeting with Center's Energy Secretary Alok Kumar has raised new questions about the state's participation in power projects. Himachal's rights are being discussed in the power projects of BBMB, SJVNL and NJPC in the state. The argument is that all these projects have reached a point where Himachal should get 40 per cent share while exploiting profitably. Himachal's arguments are being underlined at a time when the lease of the Shanan power project is about to expire. It is obvious that the Chief Minister wants to get all those rights, which Himachal should naturally get in exchange for the reorganization of Punjab. Sukhwinder Sukhu not only made Himachal's water nectar by installing water cess in advance, but also told that flowing water is gold for the state. For the first time, Himachal is fighting for its strength, on the strength of its strength. It may not be easy to establish a foothold on water, but this economic solution is our strength. The surprising thing is that Himachal, being a tenant in its own house, sometimes stood with folded hands towards BBMB, SJVNL and sometimes towards NJPC instead of getting its rights. The way Punjab-Haryana states had passed resolutions of protest on Himachal's water cess some time ago, it does not appear that the signing of water sharing will be done so easily. The Punjab government's attitude towards the Shanan power project is not one of simple dialogue and this kind of movement was seen in the past. In fact, Himachal's efforts to fight a just fight for rights remained shy or the state did not grasp the root of the issue while advocating with good manners. In such a situation, it is impossible to ignore the method adopted by Sukhwinder Sukhu broadly or the arguments he has created in the national perspective. In a way, it is a struggle for economic identity and many stages and dimensions can be seen in the future. Another war is also fixed for the economic existence of Himachal and it will be through the forest. If we became refugees due to big dam projects, then due to forests this region has been displaced for employment. After all, not only the people of the state became poor in the usefulness of the forest, but the afforestation in the seventies has also created terrible conditions for the animals.

While a majority of Himachalis did not vote in favor of reducing the area under forest in response to one of our weekly online questions, it may still be asked how much the pine trees have disturbed mountain life. It remains to be seen how much wildfires will increase again in the summer heat. In fact, Himachal's struggle is creating such ideals in the role of all hill states, which can straighten the economic backbone of many Himalayan states in future. The hill states neither get their due in the criteria of national development, nor are the schemes of the Center read according to the geographical conditions here. There should be a separate independent department of the Center to read the fate of the influential Himalayan belt of about forty MPs and decide its actual share. The Centre's feasibility report for hilly states always gets stuck like a trap while all kinds of development becomes easier in the plains and prioritized due to population pressure. It has also been seen that the central schemes giving priority to the troubled states pass through Himachal and are very kind to Jammu-Kashmir and the North-Eastern states, while peace-loving Himachal and Uttarakhand remain behind in this matter as well.

Climate change: methane has become a challenge, the future of life on earth is in danger

Methane is a useful fuel gas, but its increasing concentration in the atmosphere is also burning the future of life on Earth. It is very important to slow down the methane formation process in nature's carbon cycle towards controlling the climate change process. If the human-caused play of climate change on our only life-giving planet continues like this, then the links of life will soon start breaking. By the way, in the Anthropocene period, the sixth great extinction of species is also going on and it is estimated that by the end of this century, about half of the species on earth will be absorbed in the cheek of time. Climate change is directly related to human activity. February this year marked one of the warmest days in known climate history on Earth, and the months ahead are set to create unique summer stories. Signs of this have started coming from North America, where the temperature of Peterborough city of Ontario province in Canada reached 30.6 degree Celsius on April 13, while the temperature here usually remained below zero these days. Meanwhile, the atmosphere remained uninterrupted. In addition to exponentially rising carbon dioxide, climate experts are eyeing another specter of global warming. That's methane. The US National Oceanic and Atmospheric Administration (NOAA) recently reported that the fourth highest annual increase in atmospheric methane emissions is expected in 2022, which is part of the overall increase in greenhouse gases. Although carbon dioxide has largely been the focus of global warming, scientists are more concerned about methane in particular after the Glasgow Climate Agreement. This is also because methane is capable of producing 87 percent more warming than carbon dioxide on a twenty-year scale. So when scientists are calling for a 45 percent reduction in carbon emissions over a decade, controlling methane emissions appears to be one of the best options. Major sources of methane emissions include oil wells, natural gas leaks, landfills, livestock, manure ponds, swamps and waterlogged paddy fields. In fact, wherever there is a lack of oxygen in the process of decomposition of organic matter and there is abundance of microorganisms in this process, the emission of carbon is less in the form of carbon dioxide and more in the form of methane. Properly managed, methane is a useful fuel gas, but its increasing concentration in the atmosphere is also burning the future of life on Earth. It is very important to slow down the methane formation process in nature's carbon cycle towards controlling the climate change process. NOAA Administrator Rick Spinrod said in a report: 'Observations collected by NOAA scientists in the year 2022 show that greenhouse gas emissions are increasing at an alarming rate and will remain in the atmosphere for thousands of years. It is time to control the pollution of greenhouse gases and reduce man-made emissions as we move towards a climate-friendly world.' The average level of methane in the atmosphere is projected to increase from 14 parts per billion to 1,911.9 ppb (parts per billion) in 2022. It was increased to 15.20 ppb in 2020 and 17.75 ppb in 2021. "We believe that more than half of methane emissions are coming from human activities, such as oil and gas extraction, agriculture, waste management and landfills," says Benjamin Poulter, a research scientist at NASA. The exact amount of methane produced by human activity and natural sources over the years is not known, but scientists say ecosystems begin to emit more methane due to warming. "If the rapid increase in methane emissions is being caused by wetlands and natural systems, that's very scary, because we can't do much to stop it," said Schindel, a former NASA climate scientist and professor at Duke University. can do. If methane leaks from the fossil fuel sector, we can make regulations. But we cannot make rules on what swamps do. New data shows that 2022 is on track to be the fifth warmest year since weather records began. But scientists are warning that 2023 could be even hotter, as a climate phenomenon called La Nina – which has a cooling effect on global temperatures – kicks off. Between 2020 and 2022, three consecutive La Nina episodes occurred in the Northern Hemisphere. But despite the La Niña triple, the European Union's climate monitoring service says 2022 was set to be the fifth warmest year on record. Global average temperatures over the past three years have been near record levels, but would have been even higher without the cooling effect of prolonged La Niña. The El Niño pattern, which is expected to be the opposite of La Niña this year, could raise the risk of extreme weather conditions and further challenge global heat records. The NOAA report states that carbon dioxide and nitrous oxide with 285 times more warming effect have also recorded a deplorable increase in 2022. Nitrous oxide, the third most important greenhouse gas emitted by humans according to NOAA, averaged 335.7 ppb, mainly from chemical production in agriculture.That is due to the indiscriminate use of fertilizers. Minimizing dependence on fossil fuels and reducing the number of ruminants are certainly suitable ways to reduce methane in the atmosphere and limit warming. The International Energy Agency estimates that methane emissions can be reduced by up to 70 percent with current technology.

Digital economy: public services stuck in policy circles

The roundabout is an apt metaphor for the pitfalls in public policy making. This delays the promised ease of living, as delivery of essential public services is delayed at roundabout intersections. India's aspiration of a trillion dollar digital economy calls for better policy formulation and implementation. The dictionary defines a roundabout as a place where a set of roads converge and traffic goes around. The theory is that it makes movement easier. The roundabout is an apt metaphor for the pitfalls in public policy making. This delays the promised ease of living, as delivery of essential public services is delayed at roundabout intersections. Here are some intriguing examples and some observations. Education is an important element in the virtuous cycle of employment, consumption, investment and economic growth. The quality of education depends on physical and human infrastructure. A report by the Education Ministry's Standing Committee reveals that as of December, 2022, more than 9.86 lakh posts of teachers were vacant across the country. Out of these, the posts of more than 7.47 lakh teachers are vacant in primary schools. The shortage of teachers will have a serious impact on the quality of the workforce India needs. Still the state governments ignore it. Reports suggest that India is doing better in improving infrastructure. But the experiences of people living in Mumbai's Andheri are different.

Last week, he came to know that an important road bridge connecting the eastern and western parts of Andheri may not be ready by June, 2023. The Gopal Krishna Gokhale bridge, used by lakhs of people, had collapsed in July, 2018 itself. After severe criticism by the CAG, the authorities promised that the work would be expedited and at least a part of the bridge would be opened by June, 2023. It is now learned that the bridge will not be ready before the monsoon, which will add to the woes of the commuters. And the new reason being told for this delay is also interesting. It was informed that steel girders required for the construction were unavailable due to strike in the factory. This is the condition of a country where the production of crude steel has reached 124 million tonnes this year! Last year, the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) floated tenders for pouring concrete on 400 km of roads in the metropolis, but this week the BMC issued a notice to the contractor for failing to start the work.

Clearly, the promptness required to address citizens' problems is affected by both policy lethargy and flexibility. The bridge's promise in Mumbai is one of many projects suffering from a culture of roundabouts in public policy. In February 2023, the Ministry of Statistics and Program Implementation published a review of projects worth more than Rs 150 crore. The review report pointed out that out of 1,418 projects, 823 projects are delayed, 346 projects have cost overruns and 316 projects have reported 'insufficient information' about the commissioning schedule. Of these, the largest number are in railways (97 out of 173) and highways (328 out of 717). There are various reasons for the delay, such as land acquisition or technical conditions or clearances. While delay in projects increases the cost. The difference between the estimated and now anticipated cost is Rs 4.46 lakh crore.

And there are some roundabouts too, whose turns are indescribable. The adoption of Aadhaar-based identification as a mechanism for providing benefits of welfare schemes, issuing documents and accessing banking/telecom services has been lauded globally. The use of biometric authentication has enabled ease of administration, business and life. A new guideline was issued by TRAI during the pandemic, according to which telecom operators are required to take 'live photographs' with date and time of customers after Aadhaar based biometric authentication while releasing new connections. The live photograph is justified by saying biometric identification is inadequate and its purpose is mysterious to say the least. A strange-and-poor practice plagues urban residents across the country – vehicles seized by the police are strewn around police stations and nearby residential areas. The problem was discussed in the Bombay High Court last week. The challenge is that there is no policy on this. Justice Girish Kulkarni and Justice RN Ladda asked the government to 'place on record any policy' to deal with seized vehicles which 'cause public nuisance by their haphazard storage'. This draws our attention to a larger issue related to this. Every year the people of the country buy about 38 lakh cars. The government is promoting the idea of phasing out vehicles older than 15 years for environmental reasons.

What is the capacity of disposal of scrapped vehicles and how effective is this policy and how prepared is the systemic mechanism to deal with it? The fact is just that the central government has plans to scrap over 1.28 lakh vehicles! Finally, the phenomenon of fraudsters targeting the elderly and vulnerable through mobile phone calls and SMS has now become an epidemic. Scams like freezing delinquent bank accounts, suspending electricity supply or disconnecting phone connectionsare coming up with new methods and threats. Those who respond to these calls or messages are subjected to threats and abuse – and thereby innocent people are duped. TRAI issues warnings from time to time and also has a format for complaints. But the gangs of criminals are working fearlessly. This situation calls for stricter prosecution like Nazir has become, and it may help if TRAI shares the number of complaints and details of criminals apprehended. India's aspiration of a trillion dollar digital economy calls for better policy formulation and implementation.

सड़क दुघर्टनाओं में कमी लाने के लिए जन जागरुकता पर विशेष ध्यान दिया जाये

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन द्वारा वर्तमान मे सड़क दुर्घटनाओ तथा ब्लैक स्पॉटो के सम्बन्ध मे जानकारी दी तथा बैठक में दुर्घटनाओं की संख्या, दुर्घटना के फलस्वरुप मृतकों की संख्या एवं घायलों की संख्या पर विचार विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कार्य योजना बनाकर दुर्घटनाओं की संख्या में हो रही वृद्धि पर अंकुश लगाया जाए एवं दुर्घटनाओं व मृतकों की संख्या में कमी लाई जाए। इसके लिए ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष ध्यान दिया जाए। पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के साथ- साथ दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्यवाही संपादित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि एनएचएआई एवं ट्रैफिक पुलिस समन्वय के साथ कार्य करे। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्देशित नेक आदमी के विषय में समस्त सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों पर गाइडलाइन को डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाए तथा जारी दिशानिर्देशों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर जन जागरुकता लाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति से गवाह बनने हेतु बाध्य नहीं किया जायेगा और उन्हें अस्पताल के बिल भुगतान हेतु बाध्य नहीं किया जायेगा। ऐसे नेक आदमियों की सूची परिवहन विभाग को सौंपा जाए, जो गोल्डन आवर में घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने में मदद करते हैं। जिलाधिकारी ने दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाए जाने हेतु रोड इंजीनियरिंग, प्रवर्तन कार्यवाही, शिक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन की जागरूकता अभियान तथा त्वरित एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराने पर बल दिया। जिलाधिकारी ने यातायात पुलिस को निर्देश दिये कि हिट एंड रन की दुर्घटनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं इंश्योरेंस कंपनी से समन्वय स्थापित करते हुए दुर्घटना में मृतकों को शासन द्वारा अनुमन्य रु0 2,00,000 एवं दुघर्टना में घायल व्यक्ति को रु0 25 हजार की क्षतिपूर्ति बीमा कंपनी द्वारा जिला स्तरीय कमेटी के निर्णय के अनुसार किया जाता है इसका व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाये। बैठक में समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता से संबंधित समस्त स्टेकहोल्डर्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों से आगामी बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु सुझाव आमंत्रित किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री आलोक वर्मा, एसपी टैअफिक, पीडब्ल्यूडी, एमडीए, एनएचएआई, मद्य निषेद्य, ट्रेफिक पुलिस, नगर निगम, प्रबन्धक स्मार्ट सिटी बस संचालन, कपिल रस्तोगी व अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

टीकाकरण एवं आयुष्मान कार्ड की प्रगति पर सभी एमओआईसी को विशेष ध्यान देने के दिए निर्देश

मुरादाबाद -मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीडीओ ने नेशनल हेल्थ मिशन, डिस्ट्रिक्ट टास्कफोर्स, रोग आदि स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की गहनता पूर्वक बिन्दुवार समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने सहित स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और अधिक जनोन्मुखी बनाने एवं गुणात्मक सुधार करने के निर्देश दिये। बैठक में सी0डी0ओ0 को स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी ने पीएम जन आरोग्य योजना के अंर्तगत आयुष्मान कार्ड की प्रगति पर अवगत कराया कि 01 अप्रैल से 19 अप्रैल तक 27,669 कार्ड बनवा लिये गये हैं, जिस पर सीडीओ ने सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिये कि आयुष्मान कार्ड बनवाने में आशा, सीएचओ, आंगनवाडी, पंचायत सहायक को लगायें और नियमित प्रगति रिपोर्ट लेते रहें। सीडीओ ने सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिये कि टीकाकरण की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने मुरादाबाद अर्बन के चिकित्साधिकारियों की कार्य प्रणाली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिये।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता बनी रहें, इसको सुनिश्चित किया जाये। सी0डी0ओ0 ने चिकित्सा केन्द्रों पर उपलब्ध मानव संसाधन की समीक्षा करते हुए प्रसव इकाईयों पर तैनात कर्मियों की जिम्मेदारी तय करते हुए ठीक प्रकार से कार्य सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-कवच के तहत डेटा की शत प्रतिशत फीडिंग कराना सुनिश्चित किया जाये। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने मातृ स्वास्थ एवं बाल स्वास्थ कर्यक्रम सहित विभिन्न राजकीय स्वास्थ कार्यक्रमों के जनोन्मुखी क्रियान्वयन के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी एमओआईसी को निर्देश दिए कि नवजातों के जन्म प्रमाणन का कार्य समयबद्धता से किया जाये। जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को निर्देश दिये कि टीकाकरण और आयुष्मान कार्ड की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाये। बैठक में एसीएमओ डा0 विश्राम सिंह, एसीएमओ डा0 सुनील दोहरे, नोडल अधिकारी, एनयूएचएम नोडल अधिकारी नियमित टीकाकरण कार्यक्रम, समस्त चिकित्साधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, सी0एच0ओ0, एनएचएम मुरादाबाद, अर्बन हेल्थ कोर्डिनेटर, डीएनसी, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ के प्रतिनिधि, डीपीएम, आईसीडीएस व जेएसआई के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वार्ड की समस्याओं को देखकर लिया चुनाव लड़ने का निर्णय- हाजी मशकूर हुसैन

अफाक हुसैन
क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश के जिला मुरादाबाद मैं जैसे-जैसे निकाय चुनाव नजदीक आ रहे हैं पार्षद प्रत्याशी भी उतने ही सक्रिय नजर आ रहे हैं बता दें कि मुरादाबाद में 4 मई को निकाय चुनाव होने जा रहे हैं नामांकन के बाद अब 21 अप्रैल को पार्षद प्रत्याशियों के लिए चुनाव चिन्ह लेने की बारी आ चुकी है बात अगर वार्ड 65 की, की जाए तो हाजी मशकुर खान ए एम आई एम पार्टी से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं हाजी मशकुर खान ने बताया कि पिछले काफी वर्षों से सऊदी में रह रहे थे लेकिन अब वह अपने लोगों में यही रह कर सभी की सेवा करना चाहते हैं आगे कहा कि अपने वार्ड की समस्याओं को देख उन्होंने वार्ड से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है हाजी मशकुर का कहना है कि उन्हें क्षेत्र के लोगों भरपूर समर्थन मिल रहा है

सिलाई मटेरियल की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

मुरादाबाद/बिलारी- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रुस्तमनगर सहसपुर में ब्लॉक कॉलोनी के पीछे मुख्य मार्ग पर स्थित सिलाई मटेरियल की दुकान में आग लग गई। जिससे लाखों रुपये की सामग्री जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन सफलता न मिलने पर फायर ब्रिगेड को सूचना दी । जिस पर फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। दुकान स्वामी अख्तर अली ने बताया कि बुधवार की रात 10 बजे वह अपनी सिलाई मटेरियल की दुकान बंद करके घर चला गया था। लगभग 12 बजे राहगीरों ने दुकान में आग लगने की सूचना दी तो वह मौके पर पहुंचा। आनन-फानन में दुकान का शटर काटकर फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित के अनुसार उसकी दुकान में रखे रेशम के गुल्ले, चेन, इंटरलॉक मशीन, पैकिंग मशीन, सोलर पैनल की बैटरी, काउंटर सहित अन्य सभी समान जल गया। दुकान स्वामी ने जले सामान की कीमत लाखों रुपये बताई है। दुकानदार का यह भी कहना है कि उसकी दुकान में बिजली का कनेक्शन नहीं था। सोलर पैनल से ही वह बिजली का काम करता था। दुकानदार का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज देख कर कोतवाली में तहरीर दी जाएगी।

महापौर पद के प्रत्याशी सैय्यद सलीम अख्तर निर्दलीय का नामांकन वापस, अब मैदान में 12 दावेदार

मुरादाबाद-नगर निगम चुनाव की प्रक्रिया में गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में नाम वापसी का दिन रहा। महापौर पद के निर्दलीय प्रत्याशी सैयद सलीम अख्तर ने रिटर्निंग अधिकारी सुरेंद्र सिंह के समक्ष उपस्थित होकर नाम वापस ले लिया।

वहीं मुशायरा ग्राउंड में चल रहे नगर निगम के पार्षद प्रत्याशियों के नाम वापसी कार्य का निरीक्षण जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया। उन्होंने वार्ड नंबर 46-50 के रिटर्निंग राजेश्वर प्रताप सिंह सहित अन्य रिटर्निंग अधिकारियों से नाम वापसी कार्य की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने रिटर्निंग अधिकारियों से कहा कि नाम वापस लेने वाले प्रत्याशियों से सुनिश्चित कर लें कि कहीं किसी दबाव में वह नाम वापस तो नहीं ले रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व युगराज सिंह मौजूद थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कैम्प सभागार में बाढ़ स्टेयरिंग ग्रुप की बैठक सम्पन्न

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में बाढ़ स्टेयरिंग ग्रुप की बैठक कैम्प सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निगम के संबंधित अधिकारी को जलभराव की समस्या को दूर करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने बाढ़ की समस्या के दृष्टिगत संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसे का भण्डारण की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जायें। उन्होंने आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्रा को एनजीओ की लिस्ट को अपडेट करने तथा नाविकों के मोबाइल नम्बर को अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्ति विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि डीजल, पेट्रोल व गैस सिलेण्डर की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाये। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि प्रत्येक तहसील में संवेदनशील गांवों का चिन्हीकरण किया जाये तथा बाढ़ के दृष्टिगत राहत एवं बचाव कार्य के लिए आवश्यक संसाधनों का भण्डारण समय रहते कर लिया जाये।

जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्रा, ए0आर0ओ0 आपूर्ति विभाग राहुलदीप गुप्ता, सिंचाई खण्ड मुरादाबाद अधिशासी अभियंता ए0पी0 सिंह, अधिशासी अभियन्ता नगर निगम विजेन्द्र कुमार पाल, डिप्टी सी0वी0ओ0 पशुपालन डा0 संजीव कुमार, ए0ई0 जल निगम ग्रामीण रामकुमार सहित नलकूप विभाग अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

क्षेत्र के लोगों से मिल रहा है समर्थन- मोहसिन ठेकेदार

अफाक हुसैन
क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश के जिला मुरादाबाद मैं निकाय चुनाव नजदीक आ रहे हैं जो 4 मई को होने जा रहे हैं इस चुनाव के लिए पार्षद प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारी के लिए जुट गए हैं बात अगर वार्ड 35 की, की जाए तो वार्ड 35 में कांग्रेस से पार्षद प्रत्याशी मोहसिन ठेकेदार भी अपने आपको पहले पायदान पर मान रहे हैं नामांकन के बाद अब मोहसिन ठेकेदार सिंबल के लिए 21 अप्रैल को कलेक्ट्रेट मुशायरा ग्राउंड पहुंचेंगे मोहसिन ठेकेदार का कहना है कि उनको क्षेत्र की जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है आगे कहा कि वह वर्षों से जनता की सेवा करते आए हैं और आने वाले समय में भी सेवा करते रहेंगे

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

सांसद संजीव अरोड़ा ने आदर्श पब्लिक स्कूल को अपग्रेड करने के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - आदर्श पब्लिक स्कूल, हंबड़ां रोड, लुधियाना के बुधवार शाम को आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अध्यक्षता करते हुए सांसद (राज्य सभा) संजीव अरोड़ा ने विद्यालय को कक्षा-10 से कक्षा-12 तक अपग्रेड करने में सहयोग देने के उद्देश्य से 10 लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा की है। समारोह में उनकी पत्नी संध्या अरोड़ा गेस्ट ऑफ ऑनर थीं। संजीव अरोड़ा ने अपने संबोधन में भविष्य में जरूरत पड़ने पर स्कूल को और सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने समारोह के दौरान छात्रों को दिए गए नकद पुरस्कारों के बराबर वर्दी और किताबों के लिए अपनी जेब से समान अनुदान देने की भी घोषणा की। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के चेयरमैन कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ डी बी शर्मा, वाइस चेयरमैन सुधीर सहगल और महासचिव यशपाल बांगिया और प्रिंसिपल अमिता बांसल को सफलतापूर्वक और कुशलता से स्कूल चलाने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि स्कूल न केवल छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है बल्कि अच्छे नागरिक भी बना रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल में एक अच्छी शैक्षिक प्रतिभा है, जिसे वर्ष 2008 में स्थापित किया गया था। इसके अलावा, संजीव अरोड़ा ने कहा कि उन्हें पता चला है कि कई छात्रों ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं और बहुत छात्रों की उपस्थिति स्कूल में 100 प्रतिशत रही है। अत्याधुनिक क्लास रूम, कंप्यूटर प्रयोगशाला, डिजिटल स्क्रीन और अन्य बुनियादी ढाँचे भी मौजूद हैं। यह केवल उत्कृष्ट प्रबंधन और स्कूल स्टाफ के कारण और लुधियाना की प्रमुख हस्तियों जैसे रूही बराड़, राधिका और विजय के सहयोग से ही संभव हो पाया है। संजीव अरोड़ा ने स्कूल प्रबंधन के चेयरमैन कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ डी बी शर्मा की सराहना की और उन्हें एक बड़ा और प्रसिद्ध शिक्षाविद् करार दिया। उन्होंने कहा कि कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ डी बी शर्मा दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाओं के लिए बधाई के पात्र हैं। कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ डी बी शर्मा ने अपने संबोधन में अरोड़ा द्वारा स्वास्थ्य और समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संजीव अरोड़ा शहर के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है। संजीव अरोड़ा ने छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए और विभिन्न उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को बधाई दी। छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर संजीव अरोड़ा और उनकी पत्नी संध्या अरोड़ा दोनों को स्मृति चिन्ह और शॉल देकर सम्मानित किया गया।

108 एम्बुलेन्स कर्मचारियों की सेवा भाव को देखकर मरीज हुआ भावुक

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सुरजपुर- जिला के सुप्रसिद्ध देवी धाम कुदरगढ़ के मुख्य द्वार पर सीढ़ी से गिरकर घायल हुए एक व्यक्ति। कुदरगढ़ मेला परिसर ट्रस्ट समिति के व्यवस्थापक सदस्य नवीन दुबे पिता हरिशंकर दुबे उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम धुर जब कुदरगढ़ के मुख्य द्वार में देख-रेख में लगे दुबे पैर से विकलांग थे जब सीढ़ी से नीचे उतर रहे थे तभी उनका बैशाखी टूट गया तो अचानक सीढ़ी में गिर गए उनके कंधा में गंभीर चोट आई तभी ट्रस्ट के सदस्यों ने 108 में फोन कर एम्बुलेन्स की सहायता मांगी तभी ओड़गी 108 के कर्मचारी इमरजेंसी मेडिकल

टेक्नीशियन ओमप्रकाश कुशवाहा व चालक अब्दुल अहद खान जब घटना स्थल पर पहुँचे तब देखे की मरीज चलने में अश्मर्थ है और कंधे मे गभीर चोटें आई है जिसके कारण हाथ नही उठा पा रहे थे फिर तुरन्त एम्बुलेन्स कर्मचारियों ने स्ट्रेचर में लेटाकर फिर ईएमटी पायलट दोनो सीढ़ी से नीचे एम्बुलेन्स तक लाये फिर एम्बुलेन्स में शिफ्ट कर सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र ओड़गी लेकर गए जहाँ बी.एम.ओ. बंटी बैरागी ने तत्काल एक्सरे करा कर इलाज जारी किये अभी भी ओड़गी अस्पताल में इलाज जारी है

मुस्लमान आज देखें ईद उल फितर का चांद - शाही इमाम पंजाब

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - आज यहां पंजाब के दीनी मरकज जामा मस्जिद लुधियाना से पंजाब के शाही इमाम व रूअते हिलाल कमेटी पंजाब (चांद देखने वाली कमेटी) के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद उसमान रहमानी लुधियानवी ने पंजाब भर के मुसलमानों से अपील की है कि आज 21 अप्रैल को हर मुसलमान ईद-उल-फितर का चांद जरूर देखे। शाही इमाम ने कहा कि अगर किसी भी मुसलमान को ईद-उल-फितर का चांद नजर आ जाता है तो वह तुरन्त जामा मस्जिद लुधियाना के इस फोन नं. 0161-2722282 पर सम्पर्क करें ताकि ईद-उल-फितर के चांद का ऐलान किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगर 21 अप्रैल को ईद-उल-फितर का चांद नजर आ जाता है तो 22 अप्रैल दिन शनिवार को ईद-उल-फितर का पवित्र त्यौहार मनाया जायेगा अगर 21 अप्रैल को चांद नजर नहीं आता है तो 23 अप्रैल दिन रविवार को ईद-उल-फितर का पवित्र त्यौहार मनाया जायेगा।

राजश्री कालेज में पॉलिटेक्निक के छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत रहा रिज़ल्ट

प्रदीप कुमार गुप्ता
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। राजश्री इंस्टीट्यूट में संचालित डिप्लोमा कोर्स पॉलिटेक्निक का बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। राजश्री कॉलेज के सभी पंजीकृत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण घोषित हुए।

इस उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने उत्तीर्ण समस्त छात्र-छात्राओं को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा सफलता का श्रेय उनके कठिन परिश्रम व शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन रहा है। संस्थान की एकेडमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ने को सदैव प्रेरित करता रहेगा। सफल छात्र-छात्राओं में सिविल इंजीनियरिंग ब्रान्च से पूनम शर्मा ने 80 प्रतिशत, इलेक्ट्रिकल से वसीम अहमद ने 79 प्रतिशत व मैकेनिकल से राहुल कुमार ने 77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी ब्रान्च में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त मैकेनिकल के शिखा सक्सेना, ऑटोमोबाइल से अभिषेक गंगवार, इलेक्ट्रिकल से आदित्य बुंदेला व सिविल ब्रान्च से मनोज कुमार का प्रदर्शन सरहनीय रहा। इस अवसर पर बेहतर शैक्षिक वातावरण ज्ञानोन्मुख पठन-पाठन व अनुशासन बनाने में निदेशक (शैक्षणिक) प्रो. डॉ. अनिल कुमार, डीन एकेडमिक्स प्रो. डॉ. साकेत अग्रवाल, रजिस्ट्रार दुष्यन्त माहेश्वरी, प्रधानाचार्य डॉ. सी.पी. गंगवार, डॉ. हितेन्द्र गंगवार, हरीश गंगवार, संतोष कुमार, प्रतीक्षा, प्रगति गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

जीनियस इंटरनेशनल में बच्चों को ईद के महत्व बताया

प्रदीप कुमार गुप्ता
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- नवाबगंज स्थित बी आर जीनियस इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को आगामी ईद के त्योहार के उपलक्ष्य में विशेष असेंबली आयोजित की गई।? बच्चों ने एक नृत्य नाटिका का मंचन किया। इस नाटक में बताया गया की ईद रमजान के बाद आती है। ईद का चांद दिखने पर लोग एक दूसरे को बधाईयां देते है। ईद वाले दिन परिवार के सदस्य व परिजन एक दूसरे के घर जाते है व मीठे पकवान खाते और खिलाते है। तत्पश्चात बच्चे एकता दूसरे के गले लगे एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाई। बच्चों की बेहतरीनति ने सभी को हर्षोलासित कर दिया। इस उपलक्ष में विद्यालय की प्रधानाचार्या मौसुमी शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम की सफलता की बधाई दी ब सभी बच्चों व उनके परिजनों को ईद की शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी शिक्षिकाओं को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा आगे भी इस तरह के कायक्रम आयोजित करते रहने का आश्वासन दिया। इस उपलक्ष में विद्यालय के निदेशक अंकुर गंगवार मौजूद रहे। जिन्होंने प्रधानाचार्या के साथ सभी शिक्षकों को इस सफल कार्यक्रम की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रश्मि शर्मा व चंद्रा कुमारी ने किया। नासिर अहमद,के0 पी0 गंगवार, आसिफ, मार्फत, रहीस, नगमा,नताशा, नविष, मोनिका, वंदना, राकेश, साहिल, अंजली, पूजा ,अर्जुन सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

रिठौरा की खज़रा-फैनी, सिमैयों की मांग बढ़ी

प्रदीप कुमार गुप्ता
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- ख़्वाजा ग़रीब नमाज़ फैनी,सिवैंया,खज़ला,खजूर बनाने वाले मोहम्मद शकूर की दुकान पर लम्बी -लम्बई खरीदारों की कतारें लग रही हैं।

पिछले एक दशक से लगातार शुद्ध एवं बेहतरीन क्वालिटी की सभी खाद्य पदार्थ बनाकर रोजेदारों को उपलब्ध करवा रहे हैं। लभेड़ा उर्फ़ बुलंद, भण्डसर, बंजरिया,सावरखेड़ा, मुंडिया अहमदनगर, चावढ़, गुपलापुर, तुलसीपुर, लाड़पुर भोजीपुरा सहित सैकड़ों गांवों के लोग रोजाना खरीदारी करने पहुंचते हैं।इस काम में शकूर की बेटी नेहा,और बेटा रेहान पूरा सहयोग करते हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

शिक्षक-अभिभावक एवं प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रदीप कुमार गुप्ता
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- विकास खण्ड नवाबगंज की ग्राम पंचायत समुआ में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को शिक्षक -अभिभावक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवाबगंज विधायक डॉक्टर एमपी आर्या एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर आशुतोष गंगवार रहे।इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री आर्या एवं श्री डाक्टर आशुतोष गंगवार ने मां सरस्वती के चित्र पर संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर उन्हें नमन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा आज समाज तेजी से बदल रहा है।और तरक्की कर रहा है।इस बदलाव को लाने का मार्ग शिक्षा ही है।आज सरकारी स्कूलों में भी कान्वेंट जैसी सुविधाएं सरकार ने उपलब्ध करवा कर गरीब, मजदूर और किसान के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिल रही है। प्रधानाचार्य राजीव एवं वीरेंद्र गंगवार ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान ही बच्चों को पुस्तकें भी वितरित की गयीं। इस मौके पर शिक्षक सत्यवीर , ललित गंगवार, ए0 आर0 पी 0राजेंद्र पटेल ,डालचंद, सुरेंद्र सिंह, महेश चंद्र, प्रमोद गंगवार, प्रधान बदर अंसारी, लाल सिंह गंगवार ,महेश गंगवार ,मुरारी गंगवार, कयूम खान, के0पी0 राठौर, शुभम सक्सेना ,अतुल गुप्ता ,प्रियंका राय, पूजा, प्रीति वर्मा, शमरीन शकील अहमद , सहित तमाम स्टाफ एवं अभिभावक मौजूद रहे।

कई महीनों से सफाई नहीं की गई है नगर निगम नाले की सफाई कराए - राकेश कुमार सिंह

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि धनीपुर जीटी रोड के किनारे जो नाला बना हुआ है उसे नाले की काफी दिनों से सफाई नहीं की गई है नगर निगम को इस संबंध में कई बार अवगत भी कराया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है जनता का कहना है कि यह नाला काफी गहरा है पानी आगे निकलने में रुकावट पैदा हो रही है जो कि जनहित में ठीक नहीं है बच्चे नाले में गिरने का भय रहता है कई बच्चे पहले गिरी भी चुके हैं मोटे भी हो चुकी हैं एक गंभीर मामला है जनता की मांग को तत्काल पूरा किया जाए भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार ने यह भी कहा है कि नाले की गहराई काफी है गंदगी भरे होने के कारण पानी आगे नहीं रहा है कब निकल रहा है इसकी सफाई कराना अत्यावश्यक है सफाई कराने से पानी में रुकावट पैदा नहीं होगी बच्चे भी हो चुकी हैं जीता जागता प्रमाण है इस नाले की सफाई की तरफ ध्यान नहीं दिया गया और सफाई के नाम पर लीपापोती की गई उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इसकी शिकायत माननीय मुख्यमंत्री जी को भेजी जाएगी उत्तर प्रदेश सरकार सफाई अभियान की तरफ ज्यादा ध्यान दे रही है आदेश का पालन किया जाए

मुख्यमंत्री के बिजली का झपका ना मारने वाले बयान के उलट राज्य में लग रहे है 4 से 6 घंटे के कट-गरचा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना -पंजाब में गर्मी का पारा चढ़ते ही बिजली संकट शुरू हो गया है। प्रदेश में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 4 से 6 घंटे के अलग-अलग समय पर बिजली कट लगाये जा रहे है। गर्मी शुरू होते ही लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है, आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ने की आशंका है। शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुखविंदरपाल सिंह गरचा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कुछ दिन पहले बड़ा दावा किया था कि आप सरकार ने बड़ी तैयारियां की हैं ताकि पंजाब के लोगों को किसी भी तरह के बिजली के संकट का सामना ना करना पड़े, उन्होने कहा था कि गर्मी के मौसम में 卐बिजली का झपका भी नहीं लगेगा। इसके उलट पिछले चार-पांच दिनों से लगातार बिजली के कट लग रहे हैं। अकाली दल के नेता सुखविंदरपाल सिंह गरचा ने कहा कि सब से बड़ी हैरानी की बात यह है कि भगवंत मान मुख्यमंत्री के जिम्मेदार पद पर रहते हुए जमीनी हकीकत से अनभिज्ञ केसे हो सकते हैं।

स्टैटिक सर्विलांस टीम ने चलाया वाहन चैकिंग अभियान

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-निकाय चुनाव की तिथि जैसे- जैसे नजदीक आती जा रही है, वैसे- वैसे प्रशासन भी सख्त होता जा रहा है। आचार संहिता के अनुपालन में कस्बा के विभिन्न मार्गों पर स्टैटिक सर्विलांस टीमों ने वाहनों की गहनता से जांच करने के साथ तलाशी ली। इस दौरान वाहनों में अवैध प्रपत्र, सामग्री और अवैध कैश व चुनाव को प्रभावित करने वाली अन्य सामग्री को खंगाला गया। साथ ही टीम ने जांचे गये वाहनों के रिकार्ड भी दर्ज किए। कस्बा के मिरहची रोड, पिदौरा रोड, है
दरी चौक आदि मार्गों पर स्टैटिक सर्विलांस टीमों ने वाहनों की जांच पड़ताल की। स्टैटिक मजिस्ट्रेट दीपक गुप्ता ने बताया, कि निकाय चुनाव को निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मारहरा क्षेत्र के लिए प्रशासन द्वारा तीन स्टैटिक सर्विलांस टीमें लगायी गईं हैं, जो स्थानीय पुलिसबल के साथ विभिन्न मार्गों पर वाहनों की जांच कर रहीं हैं। चुनाव के दौरान रुपयों के गलत इस्तेमाल की आशंका को देखते हुए चार पहिया वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं वाहनों की तलाशी के दौरान चुनाव से संबंधित अन्य सामग्री आदि भी खंगाली जा रही है। वाहनों की जांच के दौरान थाना उपनिरीक्षक अनिल कुमार यादव, वीरपालसिंह, अफसर खां आदि मौजूद रहे।

आजम का आखिरी सियासी किला बचाने की जिम्मेदारी संभालेंगी अनुराधा, SP ने स्वार से बनाया

स्वार विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने अनुराधा चौहान को अपना उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि अनुराधा पहली बार चुनावी मैदान में उतरेंगी। उत्तर प्रदेश की स्वार विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के नामांकन खत्म होने से पहले समाजवादी पार्टी ने जिला पंचायत सदस्य अनुराधा चौहान को अपना प्रत्याशी घोषित किया। स्वार सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। साथ ही इस उम्मीदवारी के बाद अब अनुराधा पर आजम खां के आखिरी सियासी किले को बचाने की जिम्मेदारी है। 13 मई को उपचुनाव के परिणाम सामने आ जाएंगे। साल 2022 में इसी सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर आजम खां के पुत्र अब्दुल्ला आजम जीते थे। अब्दुल्ला आजम को साल 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत मिली थी। लेकिन दोनों ही बार उनकी विधायकी चली गई। सबसे पहले दिसंबर 2019 में हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनकी विधायकी चली गई थी। जब साल 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान जीते अब्दुल्ला पर बसपा से चुनाव लड़ने वाले नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। अब्दुल्ला आरोप लगाते हुए कहा था कि जब उन्होंने नामांकन दाखिल किया था तो उस वक्त उनकी उम्र कम थी,
जो न्यूनतम आयु की शर्त को पूरा नहीं करते थे। जिसके बाद हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन को रद्द कर दिया था। अब्दुल्ला हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे तो वहां से भी निराशा हाथ लगी। इसके बाद 2023 में अब्दुल्ला को मुरादाबाद कोर्ट ने 15 साल पुराने एक मामले में 2 साल की सजा सुनाई। इसके बाद दूसरी बार उनकी विधायकी चली गई। चुनाव आयोग ने इस सीट पर उपचुनाव का एलान कर दिया था। उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 20 अप्रैल थी। 20 अप्रैल को दोपहर बाद तक सपा ने अपने प्रत्याशी का नाम का एलान नहीं किया था। लेकिन नामांकन दाखिल किए जाने के कुछ मिनट पहले ही सपा ने अनुराधा चौहान को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। नाम का ऐलान होते ही अनुराधा चौहान नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचीं। बता दें कि अनुराधा पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ने जा रही हैं। अनुराधा ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत ग्राम प्रधान चुनाव से की थी। वह सरकथल ग्राम पंचायत की प्रधान रह चुकी हैं। अभी वर्तमान में जिला पंचायत की सदस्य हैं।

पांच दिन पूर्व विवाद में घायल महिला ने तोड़ा दम

योगेश मुदगल-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- थानाक्षेत्र के गांव लालपुर देहामाफी में, पांच दिन पूर्व हैंडपंप पर भैंस को पानी पिलाने को लेकर हुए विवाद और भैंस के हमले में घायल महिला की उपचार के दौरान आगरा के निजी अस्पताल में मौत हो गयी। गांव लालपुर देहामाफी निवासी रिंकू की पत्नी साधना (35 वर्ष) विगत शनिवार को घर के सामने लगे हैंडपंप पर भैंस को पानी पिला रही थी। तभी पडोसी सुधीर भी अपनी भैंस को पानी पिलाने वहां पहुंच गया। इसी बीच भैंस को पानी पिलाने को लेकर दोनों में विवाद होने लगा। झगड़े की सूचना पर रिंकू भी मौके पर पहुंच गया और छोटी सी कहासुनी से शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है, कि सुधीर ने अपने अन्य साथियों की मदद से रिंकू और साधना के साथ जमकर मारपीट कर डाली। इसी बीच हैंडपंप पर पानी पी रही भैंस भड़क गई। जिसकी चपेट में आकर साधना गम्भीर रूप से घायल हो गयी। लहूलुहान अवस्था में स्वजन उसे मारहरा के बीएम जुबैरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये। जहां से गम्भीर हालत के चलते उसे आगरा रैफर कर दिया। विगत बुधवार की देर रात उपचार के दौरान आगरा में साधना की मृत्यु हो गयी। साधना की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मारहरा थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यपालसिंह ने बताया, कि दोनों पक्षों में हुई मारपीट का मामला पहले ही दर्ज कर लिया गया था। मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अन्य धाराऐं बढायीं जायेंगी।

सदस्य पद की दूसरी लिस्ट जल्द घोषित की जायेगी - ठाकुर अनिल सोलंकी

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-ठाकुर अनिल सोलंकी कार्यवाहक जिला अध्यक्ष एटा ने कहा की एटा,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद श्री बृजलाल खाबरी जी एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ब्रज क्षेत्र के प्रांतीय अध्यक्ष श्री योगेश दीक्षित जी के निर्देशानुसार जनपद एटा के नगर पालिका परिषद जलेसर एटा में वार्ड सदस्य पद हेतु उम्मीदवार घोषित किए जाते हैं
वार्ड नंबर 15 श्री आमिर पुत्र रज्जाक ,वार्ड न 16 पर बसीम पुत्र अबद्दुल सईद,वार्ड न 17 श्री मती निशा पत्नी बॉबी ,वार्ड न 19 श्री फईम् अंसारी पुत्र कमालुद्दीन,वार्ड न 20 श्री मती तसलीम बानो पत्नी यासीन,वार्ड न 23 जुनेद खान पुत्र मैराजुद्दीन एवम नगर पंचयात अबागढ़ पर सदस्य पद हेतु उम्मीदवार वार्ड न 1 , श्री मती सरस्वती देवी पत्नी शीलेन्द्र,वार्ड न 2, श्री मती कमला देवी पत्नी शिशुपाल ,वार्ड न 7 अरुन पुत्र राजपाल ,वार्ड 9 सचिन देव मिश्रा पुत्र धर्म प्रसाद शास्त्री , वार्ड न 10 श्री मती ब्रज बाला पत्नी हरीशंकर उम्मीदवार घोषित किये जाये है। इस अवसर पर पूजा अमरोही वरिष्ठ कांग्रेसी, प्रवेश राजपूत,आकाश तिवारी, सुभाष सागर पूर्व सभासद,देवेन्द्र प्रताप सिंह राजपूत,मधुर कान्त कश्यप ,आदि

जिन्दा है अभी भी ईमानदारी

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-कासगंज आज के दौर में जहां गला काटू दौड़ में लोग जी रहे हैं वहीं अभी भी समर्पित, ईश्वर से डरने वाले, संस्कारित, ईमानदार लोगों की भी कमी नहीं है, कासगंज पुलिस ने इस सच्चाई में एक अध्याय तबऔर जोड़ दिया जब एक महिला पूनम पत्नी पंछी कुमार निवासी याकूतगंज थाना सहावर ने थाना सहावर में सूचना दी कि वह अपनी मां के साथ मायके से ससुराल याकूतगंज आ रही थी कि इसी दौरान सोरों अड्डे पर ई रिक्शा में रह गया जिसमें 15ग्राम सोना 250 ग्राम चांदी , एक मोबाइल व एक हजार रुपए थे जिसकी कीमत एक लाख रुपए बैठती है , तभी थाना प्रभारी अनिल कुमार पुलिस टीम के साथ एक्शन में आए और तकनीकी साधनों का प्रयोग करते हुए ई रिक्शा को चहका मुनार क्षेत्र में पकड़ लिया उसी ई रिक्शा में महिला का पर्स पड़ा मिला जिसे पूनम देवी ने पहिचान लिया ई रिक्शा चालक ने बताया कि उसे पर्स की कोई जानकारी नहीं थी ।

अपने खोए हुए पर्स को वापस पाकर महिला के चेहरे पर खुशी झलक उठी उसने पुलिस टीम सहावर का बार बार धन्यवाद किया फिलहाल महिला के रिश्ते दारों में सहावर पुलिस के चर्चे जोरों पर है । स्मरण हो कि थाना कासगंज के एक हैड कांस्टेबल मुकेश कुमार 194 द्वारा भी पिछले माह एक बाइक सवार के दुर्घटना ग्रस्त होने पर बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया तथा उसके पास मिले बैग में मिले पांच लाख रुपए सुरक्षित उसके बेटे को सौंप दिए थे तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सुशील धूले ने उसे प्रशस्ति पत्र प्रदान किया था।

ट्रेक्टर लूट के लालच में जान गवांई

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-कासगंज दिनांक 18/04/23 को थाना कासगंज के अन्तर्गत लोकेश पुत्र वीरेन्द्र निवासी ग्राम हनौता ने थाना सिकन्दर पुर वैश्य में लिखित तहरीर दी कि वह और वेदप्रकाश पुत्र महेन्द्र पाल निवासी ग्राम गुडगुडी थाना सहावर ट्रेक्टर के साथ खड़े थे तभी जगदीश पुत्र रोशन लाल निवासी ग्राम जिरौली थाना दादों अलीगढ़ , ओमप्रकाश पुत्र नैक्से पुत्र चन्द्र पाल निवासी ग्राम नगला खुशहाली पुर थाना सोरों उसके पास आए और भूसा ले जाने के लिए ट्रैक्टर बुक कर लिया। जैसे ही ये लोग कादरगंज रोड पर पहुंचे तो पुल पार करके इनके तीन परिचित अज्ञात साथी और मिल ग ए और फिर इन्होंने कोल्ड ड्रिंक पी जिसे पीकर जगदीश सहित वह और वेदप्रकाश बेहोश हो गए , इस दौरान ओमप्रकाश और उसके साथियों द्वारा मेरी जेब से चार हजार रुपए व साथी वेदप्रकाश की जेब से पांच हजार रुपए , आधार कार्ड , और मोबाइल लूट लिए। इसी दौरान मुझे व वेदप्रकाश को होश आ गया और जगदीश की मृत्यु हो गई।
घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी पटियाली दीप कुमार पंत के नेतृत्व में सिकन्दर पुर वैश्य पुलिस द्वारा मु.अ.सं.51/23 के नामित ओमप्रकाश व उसके साथी जयप्रकाश पुत्र मेघ सिंह निवासी नगला क्रिश्चियन थाना सोरों को गिरफ्तार कर लिया , जिनके पास से लूटे हुए दो मोबाइल दो आधार कार्ड ,चार हजार रुपए नकद राशि व 210 ग्राम नशीला पदार्थ डायजापाम बरामद हुए। अन्य अभियुक्त बब्लू उर्फ शाका पुत्र रमेश कुशवाहा निवासी ग्राम नगला बावन थाना अलीगढ़ ,रजनेश पुत्र भूरा पुत्र राजबहादुर निवासी ग्राम बसेरी थाना गंगीरी अलीगढ़ को पुलिस तलाश रही है इन चारों का आपराधिक इतिहास है । जिसमें बब्लू पर थाना कासगंज,गंगीरी में पांच ,रजनेश पर थाना कासगंज में एक, जयप्रकाश पर थाना कासगंज में एक, ओमप्रकाश पर थाना कासगंज और सोरों पर दो मुकदमे , संगीन अपराधों में दर्ज हैं। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ,नि.अ.हरिविलास,उ.नि. विनय कुमार शर्मा ,का.राजीवकुमार ,है.का.श्याम सुन्दर ,का.515अमित कुमार, सभी थाना सिकन्दर पुर वैश्य , कासगंज मौजूद थे। डॉ विनय शौनक कासगंज।

जहीर अहमद एटा पालिकाध्यक्ष पद पर सपा उम्मीदवार घौषित

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-जिले के जाने माने चेहरे तथा पिछले एक निकाय चुनाव में सियायत कर जबरिया कुछ मतों से हराऐ गऐ सामाजिक कार्यकर्ता जहीर अहमद को एटा नगर पालिकाध्यक्ष पद के लिऐ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा सपा का अधिकृत उम्मीदवार घौषित किया गया है ! जिससे जहीर अहमद के समर्थकों में हर्षोल्लास का माहौल है ! बताते चलें कि समाजसेवी जहीर अहमद पूर्व में एटा नगर पालिका पर अध्यक्ष पद का चुनाव एकतरफा जीत दर्ज कराने जा ही रहे थे परन्तु राजनैतिक सियायत का शिकार होकर उन्हें कुछ ही मतों के अन्तर से पराजित होना पडा था ! जहीर अहमद एक बार विधान सभा क्षेत्र पटियाली पर भी विधायक का शानदार चुनाव लडकर कुछ ही मतों के अन्तर से पराजित हो चुके हैं ! अब देखते है कि इस बार जहीर अहमद साहब एटा नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव में महिला सीट होने के चलते अपनी धर्मपत्नी अथवा मां को सपा उम्मीदवार की हैसियत से चुनावी रणक्षेत्र में उतारकर क्या गुल खिलाते हैं

जान जोखिम में डाल मजदूरी कर रहे मजदूर

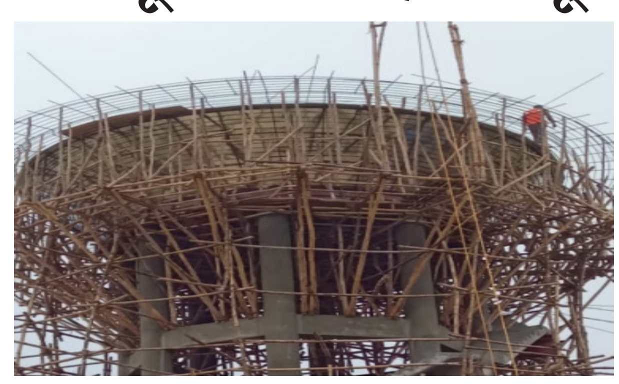

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-जनपद की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के तहत चल रहे पानी की टँकी निर्माण कार्य के तहत मजदूरी कर रहे मजदूर जरूरी सुरक्षा इंतजामों के बिना जान जोखिम में डाल मजदूरी कर रहे हैं, लाख समझाने के बाद भी मजदूर सेफ्टी बैल्ट एवम हेलमेट का प्रयोग नहीं कर रहे हैं, मजदूरों की यह लाहपरवाई कहीं किसी अप्रिय हादसे आ कारण न बन जाये इसके लिये सम्बन्धित जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासनिक अधिकारी इस ओर ध्यान दें और जरूरी दिशा निर्देश जारी करें यह अपील हैं ग्राम पंचायत सौहार प्रधान पवन सिहं चौहान की ।

4 लोगों को समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी बनाया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-कासगंज जनपद से समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष विक्रम यादव ने कल पार्टी कार्यालय पर हमारी पटियाली टीम के सामने 4 लोगों को समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी बनाया जिसमें पटियाली नगर के वार्ड नंबर 11 से मीना पांडे पत्नी अनुराग पांडे उर्फ चंदन को प्रत्याशी घोषित किया सोरो नगर पालिका से महेन्द्र कुमार कश्यप का प्रत्याशी घोषित किया सिढपुरा नगर पंचायत से निजाम को समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया
पटियाली नगर पंचायत से नसीम को प्रत्याशी घोषित किया

राज पुर मोड गांव में ग्राम सुरक्षा समिति बैठक संपन्न

अरविन्द कुमार यादव
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - श्रावस्ती 62 वीं वाहिनी स. सी. बल. भिनगा के द्वारा ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन सी समवाय गुज्जरगोरी के कार्य क्षेत्र राज पुर मोड गांव में किया गया द्य

इस बैठक की अध्यक्षता वाहिनी से रोहित मगदूम जयंत, सहायक कमांडेंट के द्वारा की गई इस बैठक में सीमा सुरक्षा सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई तथा साथ ही उपस्थि ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों और ग्रामीणों से समस्याओं व, सुरक्षा के बारे में पूछा गया ग्राम सुरक्षा के सदस्यों व, ग्राम प्रधान की तरफ से बैठक में गांव की सुरक्षा एव जरूरी संसाधनों पर चर्चा हुई द्य जिसमे गांव में मच्छर मारने की कीटनाशक दवा का छिड़काव और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करने हेतु शिविर का आयोजन आदि का सुरक्षा समिति एव ग्रामीणों द्वारा अनुरोध किया गया इस दौरान समस्याओं को सुनने के बाद रोहित जयंत मगदूम, सहायक कमांडेंट के द्वारा बताया गया कि आपके गांव की समस्या को कमांडेंट द्वारा जिला स्तरीय मासिक बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्रावस्ती को अवगत कराया जाएगा

भारत, नेपाल की सीमा, खुली सीमा होने की वजह से सीमा क्षेत्र में अराजक तत्व अवैध गतिविधियों में संलिप्त इसलिए मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी सहित अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए हम सभी को देश हित में कार्य करना होगा/सीमावर्ती क्षेत्र में सभी ग्रामीणों को एस एस बी का सहयोग करने को कहा कि यदि उन्हें सीमा पर कोई भी संदिग्ध व्यक्ति नजर आए तो तुरंत ही एस एस बी को इसकी सूचना दे क्योकि जब हमारा देश हमारा देश सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे, साथ ही आपसी समन्वय बनाकर देशहित में कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया गया इस दौरान सी समवाय गुज्जरगोरी से समावय प्रभारी उप निरीक्षक सामान्य गुरबचन सिंह मुख्य आरक्षी/सामान्य अवधेश कुमार मुख्य आरक्षी/सामान्य जाधव आतिश हरी आरक्षी/सामान्य मुन्निद्र कैलाश, योगेश शर्मा, शिशुपाल, अखिलेश व अन्य बालकर्मी, प्रधान प्रतिनिधि बेचुआ , सुरक्षा समिति के सदस्य एव ग्रामीण उपस्तिथ रहे द्य

पुलिस लाइन के सभागार में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - पुलिस लाइन के सभागार में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा सैनिक सम्मेलन के दौरान विभिन्न थानों एवं प्रकोष्ठों से आए हुए पुलिस कर्मियों से उनका परिचय प्राप्त कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं निराकरण हेतु संबंधित को निर्देशित किया।तत्पश्चात सभी पुलिस कर्मियों को उनके कार्यों का दायित्व के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सम्मेलन में बहुत से लोग बीट पुलिस अधिकारी के रुप मे बीट क्षेत्र में नियुक्त होगे, वे सभी लोग अपने कार्यों का निर्वहन अच्छी तरह से करें तथा क्षेत्र में जाकर महिलाओं/बच्चियों को जागरूक करें तथा उनकी समस्याओं को सुने व उनका निराकरण कराएं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आप लोग जब भी क्षेत्र में जाएंगे तो वहां के स्थानीय लोगों से मुलाकात करें और सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं, हेल्पलाइन नंबरों आदि के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक करें, महिला बीट पुलिस अधिकारियों के लिए ग्राम पंचायत भवन में मिशन शक्ति कक्ष की स्थापना की गई है।मिशन शक्ति कक्ष में आप लोग चौपाल लगाकर महिलाओं/बच्चियों की समस्याओं को सुनना तथा उन्हें जागरूक करने का कार्य किया जाए साथ ही जनमानस को प्रेरित करें कि आपके आस-पास हो रही संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दे। सैनिक सम्मेलन के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मुख्य आरक्षी स0पु0 बृजेश यादव को वर्ष 2021 में सराहनीय कार्य के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार का उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी नगर अतुल कुमार चौबे, क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक विनोद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पीड़ित ने थाना मल्हीपुर में तहरीर देकर किया कार्रवाई की मांग

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

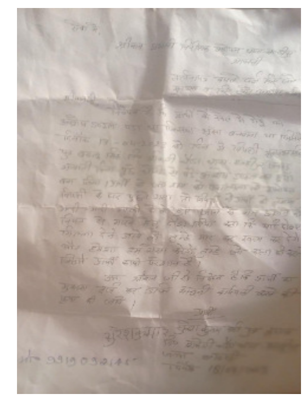

थाना क्षेत्र मल्हीपुर की ग्राम पंचायत शिकारी चौड़ा के निवासी सुरेश कुमार वर्मा पुत्र कृपाराम वर्मा ने थाना मल्हीपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि मेरी निजी खेत में गेहूं का अवशेष डंठल लगा हुआ था जिसका भूसा बनवाना था जानवर खाने के लिए जिसमें ऋषभ सिहं पुत्र बब्लू सिंह निवासी रमवापुर थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती ने चोरी से गेहूं के अवशेष डंठल का भूसा बना लिया है। जब खेत को गया तो पता चला की घर पूछने गया तो धमकी देकर भगा दिया। इस सम्बन्ध मे थाना मल्हीपुर में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग किया है लेकिन थाना मल्हीपुर पुलिस के द्वारा कार्यवाही न किए जाने पर उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र पोर्टल पर भेजकर कार्यवाही की मांग किया है ।

अतीक के शूटर अब्दुल कवि का इनमिया भाई अब्दुल वली गिरफ्तार, सरेंडर करने के फिराक में था अब्दुल वली

कौशांबी जिले की पुलिस ने अतीक अहमद के शार्प शूटर अब्दुल कवी के फरार भाई अब्दुल वली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है। पुलिस द्वारा 15 हजार का इनाम घोषित किए जाने के बाद अब्दुल वाली न्यायालय में सरेंडर करने के फिराक में था। कौशांबी जिले की पुलिस ने अतीक अहमद के शार्प शूटर अब्दुल कवी के फरार भाई अब्दुल वली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है। पुलिस द्वारा 15 हजार का इनाम घोषित किए जाने के बाद अब्दुल वाली न्यायालय में सरेंडर करने के फिराक में था।

अब्दुल वली पर शूटर अब्दुल कवी को शरण देने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी अब्दुल बली को

गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सराय अकिल थाना प्रभारी विनीत सिंह ने के भकन्दा गांव के रहने वाले अब्दुल वाली को किया गिरफ्तार विनीत सिंह को जैसे सूचना मिली थी कि अब्दुल वाली मेहनाजपुर के तराई इलाके में छिपा है मैं मैं फोर्स के साथ घेराबंदी करके किया गिरफ्तार अब्दुल कवी अतीक अहमद का शार्पशूटर है। अब्दुल कवी 2005 राजू पाल हत्याकांड के बाद से फरार था। आरोप है कि फरारी के दौरान अब्दुल कवी अपने घर आया जाया करता था और उसके भाई और परिजन उसे शरण देते थे। इसके साथ ही यह लोग राजू पाल हत्याकांड के गवाह ओमप्रकाश पाल के ऊपर भी जानलेवा हमला किया था। इस पर पुलिस ने अब्दुल वली समेत उनके अन्य भाइयों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू की थी। जिसके बाद से अब्दुल वली लगातार फरार चल रहा था। पुलिस ने अब्दुल वली पर 15 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। जिसके बाद वह न्यायालय में सरेंडर करने के फिराक में लगा था। सरेंडर करने की फिराक में था, तभी पुलिस ने दबोचा - बृहस्पतिवार को पुलिस को सूचना मिली कि अब्दुल वाली न्यायालय में सरेंडर करने के लिए जाने वाला है और वह सराय अकिल थाना क्षेत्र के मिनहाजपुर गांव में मौजूद है। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब्दुल वली को मिनहाजपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब्दुल वली से अतीक अहमद के विषय में भी जानकारी कर रही है। सूत्रों की माने तो अब्दुल वाली से पुलिस को अतीक अहमद के बारे में कुछ अहम जानकारी लगी है। पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव के मुताबिक सराय अकिल थाना क्षेत्र के मिनहाजपुर गांव से अतीक अहमद के शार्पशूटर अब्दुल कवी को शरण देने के आरोप में उसके भाई अब्दुल वली को गिरफ्तार किया गया है। जोकि जनपद न्यायालय कौशांबी में सरेंडर करने के फिराक में था। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अब्दुल वली के ऊपर राजू पाल हत्याकांड के गवाह को धमकाने और उसके ऊपर फायरिंग करने का भी आरोप है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चिंतन : केएससीएफ ने की बाल विवाह के खिलाफ मजबूत कानून की मांग, 18 साल तक मुफ्त शिक्षा की पैरवी भी

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन (KSCF) द्वारा अक्षय तृतीया (22 अप्रैल) एवं ईद के अवसर को ध्यान में रखते हुए ह्र बाल विवाह मुक्त भारत पर राष्ट्रीय परिचर्चा एवं विमर्श का आयोजन किया गया है। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन (चस्फ्स्न) द्वारा अक्षय तृतीया (22 अप्रैल) एवं ईद के अवसर को ध्यान में रखते हुए बाल विवाह मुक्त भारत पर राष्ट्रीय परिचर्चा एवं विमर्श का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर देशभर से जुटे गैर-सरकारी संगठनों ने सरकार से एक सुर में बाल विवाह के खिलाफ मजबूत कानून बनाने और मौजूदा कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही सरकार से बाल विवाह निषेध कोष बनाने और 18 साल तक के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा का प्रावधान करने की मांग भी की गई। यह राष्ट्रीय परिचर्चा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि भारत में बाल विवाह का आयोजन ज्यादातर अक्षय तृतीया तथा ईद के अवसरों पर ही होता है। दरअसल, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन बाल विवाह उन्मूलन को लेकर अभियान चला रहा है। फाउंडेशन ने पिछले साल 16 अक्तूबर को बाल विवाह के खिलाफ दुनिया के सबसे बड़े जमानी आंदोलन की शुरुआत की थी। यह परिचर्चा इसी अभियान का एक कदम है।

मौजूदा कानून में बदलाव की जरूरत है

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउडेशन के बैनर तले जुटे गैर-सरकारी संगठन इस बात पर सहमत हैं कि देश में भले ही बाल विवाह कराने वाले लोगों को दंडित करने के लिए विशेष कानून अर्थात बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 (प्रोहिबिशन ऑफ चाइल्ड मैरिज एक्ट, 2006, [पीसीएमए]) है, फिर भी बाल विवाह को समूल नष्ट करने के लिए वर्तमान कानून को संशोधित कर मजबूत बनाने की जरूरत है। साथ ही मौजूदा कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चत करने की जरूरत है। 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए गैरसरकारी संस्थाओं ने कई प्रकार के उपायों पर बात की। कानून के संबंध में कई अनुशंसाओं पर बात की गई, जिनमें वर्तमान कानूनों का कड़ाई से क्रियान्वयन, कड़े दंड के साथ कानून में संशोधन, आवश्यक रिपोर्टिंग और अधिकारियों के उत्तरदायित्व आदि हैं।

18 की उम्र तक मुहैया कराएं मुफ्त शिक्षा

यह इस परिचर्चा में निर्णय लिया गया कि सरकार एवं राजनीतिक दलों से यह अपील की जाए कि वह मुफ्त शिक्षा की आयु सीमा को 18 वर्ष तक कर दें। इससे बाल विवाह रोकने में बहुत मदद होगी। सुझाव में यह भी निकलकर आया कि बाल विवाह को रोकने वाले संस्थानों को मजबूत किया जाए एवं अधिकारियों के ज्ञान एवं क्षमता निर्माण पर कार्य किया जाए। साथ ही बालविवाह के विषय पर धार्मिक नेताओं को अभियान से जोड़ने पर सहमति बनी। वह अपने समुदाय के लोगों को यह समझा सकेंगे कि वे बच्चों का कम उम्र में विवाह न करें।

विशेष बाल विवाह निषेध कोष बनाने की भी मांग

साथ ही सरकार से एक विशेष बाल विवाह निषेध कोष बनाने की भी मांग की गई। सरकारी स्कूलों में पढ़ रही बच्चियों को प्रतिमाह 500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जा सकती है, जिससे वह अपनी शिक्षा जारी रख सकें। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली उन लड़कियों के लिए प्रधानमंत्री शगुन कोष का भी गठन किया जा सकता है, जिनका विवाह कानूनी उम्र में होने पर उन्हें सरकार द्वारा 11,000 रुपये का उपहार दिया सकता है। बाल विवाह के विषय को बच्चों की उम्र के अनुसार पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चे इसके दुष्प्रभावों एवं इसके कानूनी प्रावधानों के बारे में परिचित हो सकें। जो लड़कियां 18 वर्ष से कम उम्र की हैं, उन्हें इस विषय में अवगत कराया जाना चाहिए कि कैसे वह विवाह में यौन उत्पीड़न को लेकर शिकायत कर सकती हैं।

आवासीय एवं आर्थिक व्यवस्था के प्रावधान की मांग

कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बाल विवाह निषेध अधिकारियों (सीएमपीओ) के माध्यम से संस्थानों मसलन आंगनवाड़ी, बाल कल्याण समितियां, पंचायती राज संस्थान, स्कूल आदि को मजबूत किया जाना चाहिए। उन लड़कियों के लिए आवासीय एवं आर्थिक व्यवस्था होनी चाहिए, जो अभिभावकों या समाज के दबाव के चलते विवाह नहीं करना चाहती हैं और पढ़ाई या नौकरी करना चाहती हैं। साथ ही बाल विवाह रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर कानूनों की जानकारी और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करें - रियर एडमिरल आरके श्रावत

बाल विवाह पर चिंता व्यक्त करते हुए फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर रियर एडमिरल राहुल कुमार श्रावत, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन पूरे देश में अन्य एनजीओ एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर इस सामाजिक बुराई को रोकने के लिए जागरूकता अभियान के साथ-साथ हर संभव कदम उठा रहा है। हम सरकार एवं अन्य राजनीतिक दलों से अनुरोध करते हैं कि वह अनिवार्य निशुल्क शिक्षा के लिए उम्र सीमा को 18 वर्ष करके बच्चों और विशेषकर लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करें। हम यह मानते हैं कि बाल विवाह एक बड़ी सामाजिक बुराई तथा कानूनी अपराध है। हमारा लक्ष्य है कि हम वर्ष 2025 तक बाल विवाह की बुराई को 23त्न से घटाकर 10त्न तक कर दें तथा वर्ष 2030 तक इसे पूर्णतया समाप्त कर दें। अर्थात भारत को बाल विवाह मुक्त देश बना दें!

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
खेल समाचार
www.knlslive.com
21 April 2023

'Watching KL Rahul's batting is the most boring thing', Kevin Pietersen's big attack on the Lucknow captain

In the match against Rajasthan, Rahul was struggling to score runs against a formidable attack led by pacer Trent Boult. Seeing this, Pietersen surprisingly attacked the Lucknow Super Giants captain. Former England captain Kevin Pietersen is not happy with the performance of Lucknow Super Giants skipper KL Rahul in the current season of IPL. Rahul is not able to score fast runs in powerplay. Pietersen criticized his slow batting in the first six overs. He even said that watching Rahul's batting in Powerplay is the most boring thing. In the match against Rajasthan, Rahul was struggling to score runs against a formidable attack led by pacer Trent Boult. Seeing this, Pietersen surprisingly attacked the Lucknow

Super Giants captain. Pietersen was not impressed with Rahul's shot selection and below average strike rate. The IPL commentator explains to the audience how poor Rahul's performance is in the Powerplay. What did Pietersen say about Rahul? According to several reports, Pietersen pulled up Rahul during the IPL commentary. The former England cricketer reportedly said, "Watching KL Rahul bat is the most boring thing ever." This statement of Pietersen is being discussed continuously after the match. There is some truth in his statement as well. Rahul's performance in the powerplay was like this - Rahul could not even open the account on the first six balls. In front of him, Trent Boult did not give a single run in the first over. Rahul could only score 19 runs in 19 balls in the powerplay. He scored 39 runs off 32 balls. During this he hit four fours and a six. What happened in the match? Batting first after losing the toss, Lucknow scored 154 runs losing seven wickets in 20 overs. Kyle Meyers played an inning of 51 runs in 42 balls. Apart from this, captain KL Rahul scored 39 runs. In response, at one time Rajasthan's team had scored 87 runs after losing one wicket. However, after this wickets kept falling at regular intervals and the team could manage only 144 runs in 20 overs losing six wickets. Yashasvi Jaiswal scored the highest 44 runs. At the same time, Jose Butler played an inning of 40 runs. Avesh Khan took two wickets in the last over. He took the wicket of Devdutt Padikkal on the third ball of the over and Dhruv Jurel on the fourth ball. Earlier, he also took the wicket of Shimron Hetmyer. Avesh took three wickets in total.

'He will soon play for Team India', Rohit Sharma made a big prediction about this MI player

Rohit Sharma-led Mumbai Indians may have had a bad start in IPL 2023, but the team has recently made a great comeback by winning the last three matches.Mumbai Indians won the match played against Sunrisers Hyderabad on 18 April. Won by 14 runs. In this match, Cameron Green played a stormy innings with the bat and contributed significantly to the team's victory. Apart from him, young batsman Tilak Verma also played an important inning of 37 runs. Seeing his innings, captain Rohit Sharma was also very impressed with him and after the match he made a big statement about Tilak. Let's know what Rohit said? Actually,

Mumbai Indians' young batsman Tilak Verma has been performing brilliantly for the last two seasons of IPL. He scored a total of 397 runs in IPL 2022 at an average of 36.07. At the same time, in this season of IPL, playing a total of 5 matches, he has scored 214 runs. In such a situation, Captain Rohit Sharma has been very impressed with his excellent performance. Rohit recently said about Tilak that we had seen Tilak Verma in the last season. We all know what he can do. I like his approach a lot. He does not play the bowler, rather he plays the ball. We will soon see him playing for many teams. Please tell that this statement of Rohit Sharma has indicated somewhere that Tilak Verma may get a chance to debut for Team India soon. Apart from captain Rohit Sharma, former Australian cricketer Tom Moody said on ESPNcricinfo that he is a complete jet in a way, isn't he? I love watching him bat. It seems that he has a responsibility well beyond his age. He never seems nervous while batting at the crease.

Virat Kohli was approached by another IPL team in 2011, RCB star gave this answer

Kohli was bought by RCB in 2008 and then he emerged as a big star for the franchise. In an interview with Robin Uthappa during the IPL, Kohli talked about his partnership with RCB. There are only a select few players in the IPL who have played for only one franchise in their entire career from the first season onwards. Virat Kohli is also one of those players. Kohli has so far played only for the Royal Challengers Bangalore franchise and has said that till the

time he plays IPL, he will play only for this franchise. However, there came a time when Kohli was approached by other teams as well, but he refused to change the team by giving a befitting reply. Kohli was offered by the second franchise- Actually, Kohli was bought by RCB in 2008 and then he emerged as a big star for this franchise. In an interview with Robin Uthappa during the IPL, Kohli talked about his partnership with RCB. Also told about other franchises, who wanted to include him in their team. Kohli, however, revealed that his career plans didn't mesh well with that other franchise. What did Kohli say about RCB? Kohli said- Why do I give so much importance to my journey with RCB, because they supported me a lot in the first three years of IPL. Even when the retention happened, he said – We want to retain you. My only response to Ray Jennings at that time was 'I want to bat at the top of the order. I bat at number three for India and I want to bat at number three here as well. He said, 'Okay, you'll bat at number three'. He showed faith in me when I needed it. Then I was also progressing in my international career. What was Kohli's reply to the other franchise? Kohli also said that he had a clear answer when other franchises came to buy him. Kohli said – I will not name anyone, but I spoke to another franchisee at that time… They were not even keen to listen to me. I was playing in the lower order at that time (5-6). I was like, 'If I can get an opportunity to bat at the top of the order somewhere else...', because I played for India and did well in 2011. Before the retention, the same franchise came to me and said, 'Can you come to the auction?' I said, 'No question. I will always be with the franchise that backs me. Uthappa was also surprised? Robin Uthappa was surprised to hear Kohli's response, but Kohli said that his answer was straightforward. Kohli said- Yes, that was my answer. The other franchise refused to let me bat in the upper order. Later I thought that whatever I did, I did well. Kohli has made many records in IPL. He has the highest 6844 runs in 228 IPL matches. He has scored five centuries and 47 half-centuries in this league.

This weakness of Punjab Kings can drown the team's loot, Harbhajan Singh alerted before the match

The 27th match of IPL 2023 will be played between Punjab Kings and Royal Challengers Bangalore (PBKS vs RCB) at Mohali Cricket Association Stadium on 20 April. Let us tell you that Punjab Kings have so far won 3 out of 5 matches and lost 2, while RCB team has won 2 and lost 3 out of 5 matches. Before this match, former Indian cricketer and current commentator Harbhajan Singh has told the biggest weakness of the team regarding the batting order of Punjab Kings. Let's know what Bhajji said about Punjab Kings? Actually,

Punjab Kings started IPL 2023 with a win by defeating KKR team by 7 runs. After this, Punjab Kings won by 5 runs in the second match against Rajasthan Royals. Punjab Kings won by 8 wickets against Sunrisers Hyderabad. In such a situation, after a great start, Punjab Kings lost by 6 wickets at the hands of Gujarat Giants. Whereas, in the last match, Punjab Kings won by 2 wickets against Lucknow Giants, but in the meantime, former Indian cricketer Harbhajan Singh changed the batting order of the team. Harbhajan Singh recently gave a statement saying that the Punjab Kings are completely dependent on the captain of the team, Shikhar Dhawan, which has become a matter of concern for the team. Depending on one player, only 2 or 3 matches can be won, but the tournament cannot be won. Should be taken

Party gathered in the name of Aditi Rao Hydari, 'Anarkali' sparkled with the presence of Siddharth

The fame of the web series 'Jubilee' released on Prime Video was reflected in the party of ZEE5 web series 'Taj Divided by Blood' here last night. Aditi Rao Hydari, who showed her strong performance in 'Jubilee' as Sumitra Kumari, a character inspired by Hindi cinema's famous actress Devika Rani, was the pride of the gathering. On the other hand, this was the third consecutive program of the series 'Taj Divided By Love', in which Naseeruddin Shah, one of the main characters of this series, did not come. However, due to the presence of

Aditi's close friend actor Siddharth, Aditi looked sizzling throughout. ZEE5 celebrated the success of web series 'Taj Divided By Blood' in Mumbai on Wednesday evening and launched the second season of the series. The announcement was made. On this occasion, apart from all the actors of the series, the man of his era Dharmendra has also been present. People expected that Naseeruddin Shah, who played the role of Akbar in the series, would definitely participate in this celebration of success. Naseeruddin Shah's participation in the success party of the series was also informed. But Naseeruddin Shah did not turn up. Naseeruddin Shah, who played the role of Akbar in the series, did not attend any of the programs held so far regarding the web series 'Taj Divided by Blood'. Every time the reason for his not attending the event was his busyness, while Dharmendra has already participated in two programs of this series even at this stage of age. This time also Dharmendra came, but just for two minutes. Congratulating the entire team of 'Taj Divided By Blood', Dharmendra said, 'I have a very small role in this series but when I heard that my younger brother Naseeruddin Shah is working, so I immediately agreed to work in it. I am very happy that the small screen has now become big. Apart from Dharmendra, Aditi Rao Hydari, Aashim Gulati, Taha Shah Badusha, Deepraj Rana, series producer Abhimanyu Singh and second season director Vibhu Puri were also present at the success party. be present. The first season of 'Taj - Divided by Blood' is directed by Ron Scalpello. The second season of the series titled 'Taj Reign of Revenge' will stream on G5 from May 12, 2023.

Sometimes in the lift, sometimes in the balcony, Priyanka Chopra and Nick Jonas became romantic, pictures went viral

These lines fit perfectly on 'Love is in the air' Priyanka Chopra. Love birds Nick Jonas shared some romantic pictures from Priyanka Chopra and their photoshoot. Currently, the couple attended the London premiere of the actress' upcoming show Citadel. In these pictures, Priyanka was seen in an off-shoulder red gown and Nick supported her in a black suit paired with turtleneck. Priyanka Chopra looked romantic with Nick Jonas - -In the pictures shared by Nick Jonas, these are The couple is seen getting romantic in the lift. So in some picture Nick-Priyanka are romancing in the balcony. In the first picture, Nick's hand is on Priyanka's waist, while in the second picture, Priyanka is seen running her finger on Nick's cheek while they are standing in the balcony. There is also, where both are seen to be comfortable. Sharing the pictures, Nick wrote on Instagram, "Congratulations to my (heart emoticon) Priyanka Chopra and the entire cast of Citadel on Prime on the world premiere. Streaming on amazon prime on April 28! Fans got excited- Commenting on the post, a fan wrote - "Priyanka's favorite color of red, both of you are looking amazing." Another wrote, "It's very rare that you see celebrity couples who look like they're truly in love. There's clearly genuine love in all of the Jonas Brothers and I love it." Another said, "I am so jealous seeing the love of both of you." Another user wrote, "Good to see you are so supportive". Citadel to release soon Priyanka's Citadel co-star Richard Madden, her mother Dr. Madhu Chopra, Varun Dhawan, Samantha Ruth Prabhu and director duo Raj and DK were among those who attended the London premiere of Citadel.

'No matter how well I have done but...' Vikrant Massey's pain spilled over fee disparity

Actor Vikrant Massey, who made his mark in every household with the small screen show 'Balika Vadhu', does not need any recognition in today's time. The actor has been seen creating waves with his portrayal of Bablu Bhaiya in the web series 'Mirzapur' and Taapsee Pannu in 'Haseen Dilruba' and garnering appreciation for his work with Chitrangada Singh and Sara Ali Khan in 'Gaslight'. Vikrant was also seen in the film 'Chhapaak' alongside Deepika Padukone. The actor has now made a big and shocking disclosure on his fees for 'Chhapaak'. The actresses of the entertainment world have always been seen to have their say on the disparity regarding the fees. At the same time, it has been seen insisting on making it equal to the actor. In this episode, Vikrant Massey has now made a big disclosure on fee disparity. The actor has talked about getting less salary from actress Deepika Padukone in Meghna Gulzar's film 'Chhapaak', and has been seen expressing his condition about it. Vikrant Massey and Deepika Padukone starrer film 'Chhapaak' may have been a flop at the box office, but the acting of both the stars was highly appreciated in it. At the same time, Vikrant feels that there were some political reasons affecting the performance of the film 'Chhapaak'. In his latest interview, the actor has said about his fees, 'In most cases women get less salary than men. Whereas, many A-lister actresses have spoken openly on this, but our situation is different. Female co-stars are paid more than us in the films we work in, but I don't make a fuss about it.' Vikrant Massey further said, 'The actresses of my films have got more money than me. No matter how well I do, I cannot get paid as much as Deepika Padukone. Or fight for the credit of a film. Like Ginny Weds Sunny. In this way, Vikrant Massey's pain has now spilled over the disparity of fees. Talking about Vikrant Massey's work front, he used to work in TV shows like 'Baba Aiso Var Dhundho', 'Qubool Hai', 'Ye Hai Aashiqui' and 'Gumrah'. has been seen. Recently the actor was seen in the film 'Gaslight' released on OTT platform, in which his negative character was highly appreciated. Recently the actor's 'Crimes Aaj Kal Show' has been released, in which Vikrant is playing the role of host.

'Salman Khan has given the work, it means everything has not gone right', why did Shahnaz say such a thing?

Shehnaaz Gill has become a household name because of Bigg Boss season 13. The actress will soon be making her Bollywood debut with Salman Khan's film Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan. At present, the actress is promoting the film vigorously. Meanwhile, Shahnaz has spoken openly about her career in a recent interview. According to the actress, she may have been launched by Salman Khan, but she is fully aware that she is an outsider and will have to work hard to get work in the future. In her new interview, Shehnaaz said that her journey is in her own hands and it depends on her how she wants to work on herself and what exactly she wants in life. She further added that it is not so. That everything fell into place when Salman gave her a chance in films. She said that if she works hard, she will get films. During this conversation, he also recalled the time of Bigg Boss 13. Shahnaz told that during the show, she had told Salman Khan that she did not want a trophy but wanted to work with him. According to the actress, Salman remembered her words, due to which he gave the actress a chance in his film. In this interview, Shahnaz also talked about the rejection she got in the beginning of her acting. He revealed that after being cast in the film, he was rejected from the sets of a film. At that time people said that she is a child and how can they cast her.